मोतिहारी फाइल्स / गिरीश मालवीय

पहला सीन

लाइट...साउंड...रोल कैमरा...एक्शन

कैमरा एक 14 साल के बच्चे को दिखा रहा है, रात का समय है, एक उजाड़ से कस्बे की मुख्य सड़क पर स्ट्रीट लाइट की मद्धम सी पीली रोशनी है लडका लस्तपस्त हालत में धीमे कदमों से लौट रहा है... सड़क से घर की तरफ बढ़ रहा है, दरवाजे के पास एक टूटी हुई आराम कुर्सी पर बैठे हुए दादा से उसकी नजरे मिलती है।

अचानक से लड़के के दिमाग में शहर के एसपी ऑफिस से खुद को धकेले जाने का दृश्य कोंधता है, एसपी ऑफिस के बाहर लडके के पिता के हत्यारे ठहाका लगा कर हंसते है ..... दादा अपने पोते को कातर निगाहों से देखता है और गर्दन झुका लेता है, बैकग्राउंड में पिता के हत्यारो की हंसी का साउण्ड बढ़ता जाता है, लडका अचानक ठिठक जाता है, और शून्य में घूरने लगता है, फिर अचानक से चिहुंकता है , और घर के दरवाजे से ठीक उल्टी तरफ सामने के तिमंजिला मकान की ओर तेजी से भागता है, दादा आवाज देता है, रोहित सुन,.....रोहित सुन,....., आवाज सुनकर मां जबतक घर से बाहर निकलती हैं, तब तक 14 साल का रोहित सामने बने तीन मंजिला मकान की सीढ़ी चढ़कर छत पर पहुंच जाता है .....छत पर एक मिट्टी के तेल की केन भरी रखी होती है लड़का वह केन अपने ऊपर उंडेल लेता है और माचिस दिखा देता है,..... मां की चीखे निकल जाती है, रोहित तीसरी मंजिल से बाहर कूदता है , सड़क पर धप्प से गिरने की आवाज आती है अचानक वातावरण पुरी तरह से खामोश हो जाता है, कैमरा का फोकस अब रोहित की मां की आंखों की तरफ है,

(यह सत्य घटना दो दिन पहले 23 मार्च 2022 की है)

पहला सीन खत्म अब दूसरा सीन शुरु....

लाइट...साउंड...रोल कैमरा...एक्शन

यह सीन रोहित की मां की आंखों से ही शुरु होता हैं, कहानी फ्लैश बैक में चलती है, रोहित का जन्मदिन है मां रोहित के पिता विपिन अग्रवाल को आवाज देती है, रोहित के पिता टेबल पर झुके हुए कुछ कागज जमा रहे हैं, ...रोहित की मां कहती है... सुनो जी, बाजार से आते वक्त बेकरी की दुकान से केक लेते हुए आना,

पिता कस्बे के मुख्य बाजार की तरफ जाता है, जाते वक्त बहुत से लोग उस झुक कर प्रणाम करते हैं उसके पास कागजों का एक पुलिंदा है वह एक फोटोकॉपी की दुकान में रूक कर उन कागजों की फ़ोटो कॉपी कराता है, और फिर पड़ोस की बेकरी की दुकान से केक खरीदता है, जैसे ही वह बाहर निकलता है, दुकान के बाहर एक मोटर साइकिल और जीप आकर रुकती है , मोटर साइकिल वाला आदमी विपिन अग्रवाल के सीने तीन गोलियां दाग देता है, जीप में सवार कुछ आदमी ठहाका लगा कर हंसते हैं यह वही ठहाका है जो पिछले सीन में सुनाई दिया था, विपिन अग्रवाल के हाथो से केक छूट जाता है, अचानक से उसकी आंखे पथरा सी जाती है कैमरे का फोकस उसकी आंखो पर धीरे धीरे केंद्रित हो जाता है.....

(यह सत्य घटना कुछ महीने पहले 24 सितंबर 2021 की है)

अब तीसरा सीन शुरु.....

लाइट...साउंड...रोल कैमरा...एक्शन।

कैमरा विपिन अग्रवाल की आंखो से धीरे धीरे हटता है विपिन अग्रवाल का कुछ साल पहले सम्मान हो रहा है मंच पर वह माला पहने हुऐ बैठे हैं, उनके हाथो में वही कागजों का पुलिंदा है, वह एक आरटीआई एक्टिविस्ट है मंच पर पर मौजूद वक्ता विपिन अग्रवाल की तारीफ करते हुए बताता है कि विपिन अग्रवाल जिले के जाने माने सामाजिक कार्यकर्ता है विपिन एक आरटीआई कार्यकर्ता के तौर पर नौ साल से काम कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने भारत गैस, सुगौली, एसबीआई, बीपीएल सूची सुधार, जन वितरण प्रणाली, ब्लॉक व अंचल कार्यालय व क्षेत्र में पसरी अन्य अनियमितताओं को दूर करने के लिए लंबी लड़ाई लड़ी हैं उन्होने इस वक्त हरसिद्धि ब्लॉक बाजार इलाके की कीमती 8 एकड़ सरकारी जमीन पर हुए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चला रखा है इस मामले में आरटीआई से जानकारी लेने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट में कई केस किए। कोर्ट के निर्देश

पिता कस्बे के मुख्य बाजार की तरफ जाता है, जाते वक्त बहुत से लोग उस झुक कर प्रणाम करते हैं उसके पास कागजों का एक पुलिंदा है वह एक फोटोकॉपी की दुकान में रूक कर उन कागजों की फ़ोटो कॉपी कराता है, और फिर पड़ोस की बेकरी की दुकान से केक खरीदता है, जैसे ही वह बाहर निकलता है, दुकान के बाहर एक मोटर साइकिल और जीप आकर रुकती है , मोटर साइकिल वाला आदमी विपिन अग्रवाल के सीने तीन गोलियां दाग देता है, जीप में सवार कुछ आदमी ठहाका लगा कर हंसते हैं यह वही ठहाका है जो पिछले सीन में सुनाई दिया था।

पर अतिक्रमण कर बनाए गए कई मकानों, दुकानों और पेट्रोल पंप को ढहा दिया गया, और अब उस जमीन पर सरकारी स्कूल कॉलेज खोला जायेगा.....

एक बड़े नेता उसे भरी सभा में अवार्ड देते हैं, विपिन अग्रवाल खुश होते हुए अवार्ड लेता है नीचे बैठे हुए उसकी पत्नी मोनिका देवी अपने दो बच्चो के साथ बैठी हुई गड़गड़ाती हुई तालियां की आवाज़ सुनती हुई गर्वपूर्वक अपने पति को देखती है

अवार्ड देने वाला नेता अपने चमचे से पूछता हैं क्यो यही है न वो !.....चमचा जवाब देता है हां, कल इसका इंतजाम हो जाएगा

अगले दिन विपिन अग्रवाल घर के राशन लेने सरकारी राशन की दुकान पर जाते हैं और एक बोरी गेंहू मोटर साइकिल पर बांधकर घर ला रहे होते है तभी स्थानीय पुलिस उन्हे एक बोरा सरकारी खाद्यान्न की कालाबाजारी के आरोप में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज देती हैं.....

चमचा नेता को खबर देता है कि काम हो गया... नेता की आंखे चमक उठती है..... हिरासत में विपिन अग्रवाल की पत्नी उससे मिलने आती है, उसकी आंखों में आसूं है.....

(यह सत्य घटना 2015 की है)

तीसरा सीन खत्म, अब चौथा सीन शुरु.....

लाइट...साउंड...रोल कैमरा...एक्शन

विपिन अग्रवाल की हत्या को कई दिन गुजर चुके हैं हत्यारो के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होती, मृतक की पत्नी और पिता थाने से बाहर आते हैं, नेपथ्य में वही ठहाका गूंजने लगता है, उसे ऐसे हाल में देख लोगो में गुस्सा भड़क जाता है मोतिहारी के हरसिद्धि प्रखंड क्षेत्र में विपिन अग्रवाल की पत्नी मोनिका देवी शनिवार को सड़क पर उतर जाती है पति की हत्या के तीन सप्ताह बीत जाने के बाद भी हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं होने को लेकर वो गुस्से में हैं। अपने बच्चों, परिजनों सहित अन्य लोगों के साथ वह मुख्य मार्ग को जाम कर देती है सूचना पर पहुंची पुलिस मृतक के परिजनों को समझाने में जुट जाती हैं इसी बीच विपिन की पत्नी पुलिस के सामने ही आत्मदाह का प्रयास करती है और ब्लेड से अपने हाथ का नस काट लेती हैं, विपिन अग्रवाल का 14 साल का बेटा अपनी मां की ऐसी हालत को देखता है, अगले दिन से वह 14 साल का लड़का एक टूटे से पलंग पर एसपी ऑफिस के सामने अपने पिता के लिए इंसाफ की मांग करने की एक तख्ती लिए रोज बैठता है..... नेपथ्य मे फिर वहीं ठहाका गूंजने लगता है.....

(यह सत्य घटना कुछ महीने पहले 15 अक्टूबर 2021 की है)

आखिरी सीन शुरु.....

लाइट...साउंड...रोल कैमरा...एक्शन

कैमरा फिर से पहले सीन पर लोटता है 14 साल का रोहित को एसपी मिलने तक का वक्त नही देता.....रोहित रात को उजाड़ से कस्बे की मुख्य सड़क पर स्ट्रीट लाइट की मद्धम सी पीली रोशनी में लस्तपस्त हालत में धीमे कदमों से लौटता है और फिर आग में जलता हुआ तीसरी मंजिल से कूद जाता है.....

फिल्म खत्म हो जाती है, फिल्म पुरी तरह से सच्ची घटनाओं पर आधारित हैं जो बिहार के मोतिहारी जिले के हरसिद्धि ब्लॉक में घटित हुई है.....

वेतन खर्च बचाने के लिये खट्टर सरकार कुछ भी कर सकती है

वर्षों बाद मिली हजारों रिक्तियां एक झटके में रद्द

मज़दूर मोर्चा ब्यूरो

सन 2018-19-20 में विज्ञापित किये गये टीजीटी व पीजीटी के 4574 पदों की भर्ती प्रक्रिया पूरी करने के व उन्हें नियुक्ति पत्र देने के बाद अब खट्टर सरकार ने इन तमाम नियुक्तियों को एक झटके में रद्द कर दिया है। दोबारा से भर्ती करने के लिये फ़िर वही प्रक्रिया दोहराई जायेगी। यानी कि सैंकड़ों रुपये का भर्ती फ़ार्म बेच कर सरकार सैंकड़ों करोड़ रुपया बेरोजगारों से बटोरेगी। यह ठीक ऐसा ही है जैसे मुंह में आया निवाला छीन लिया गया हो। नियुक्ति पत्र पाने के बाद सैकड़ों शिक्षकों ने सिविल अस्पतालों में धक्के खाकर व हजारों रूपए खर्च करके अपने मेडिकल भी करवा लिये थे।

परीक्षा देने के लिये सिरसा के उम्मीदवार यमुना नगर बुलाये जायेंगे और अम्बाला वाले हिसार बुलाये जायेंगे। जाहिर है कि इस प्रक्रिया में उम्मीदवारों का जहां अच्छा-खासा खर्चा होगा वहीं हरियाणा रोडवेज की अच्छी-खासी कमाई हो जायेगी।

उसके बाद फ़िर साक्षातकार की ड्रामेबाजी चलेगी। इस ड्रामेबाजी में सत्ता के दलाल उम्मीदवारों को ब्लैकमेल करके खूब लूटेंगे। इसके बाद वर्षों तक नियुक्ति पत्र की प्रतीक्षा कराई जायेगी। इस दौरान बड़ी सम्भावना यह भी बनी रहेगी कि या तो पेपर लीक होने का मामला उठवा दिया जाये अथवा किसी बहाने से भर्ती प्रक्रिया को हाई कोर्ट में ले जाकर उलझा दिया जाये। यानी कि न तो नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी और सरकार का वेतन पर होने वाला सम्भावित करोड़ों का खर्चा बच जायेगा।

इससे पहले भी हरियाणा सरकार ने 1546 फायर ऑपरेटर, 588 पटवारी, 1100 नहरी पटवारी, 697 ग्राम सचिव, 340 वेटनरी सर्जन, 526 कृषि विभाग के एडीओ पदों की भर्ती वापस ली जा चुकी है। इतना ही नहीं राज्य की सबसे प्रतिष्ठित एचसीएस की परीक्षा जो अभी सितम्बर 2021 में हुई थी उसे भी रद्द कर दिया गया है। इसे सरकार की लचर प्रशासनिक व्यवस्था कहा जाये अथवा तनख्वाह पर होने वाले सम्भावित खर्च को बचाने की चतुराई ?

सरकार की इस तथाकथित चतुराई के चलते आज राज्य भर में स्कूली शिक्षकों के 38476 पद खाली हैं। ये रिक्तियां सरकार द्वारा मौजूदा स्वीकृत पदों के हिसाब से बताई जा रही हैं जबकि वास्तविक आवश्यकता इससे कहीं अधिक शिक्षकों की है। जाहिर है सरकार शिक्षा जैसे काम पर खर्चे को धन की बर्बादी मानती है। सरकार समझती है कि पढे-लिखे नौजवान सवाल-जवाब कुछ ज्यादा ही करने लगते हैं इसलिये उन्हें अनपढ़ ही रखा जाय तो अच्छा है।

तहसीलों में भ्रष्टाचार के लिये...

पेज एक का शेष

के कामों में अधिक दक्ष होता है, लोग उसी के पास अधिक जाते हैं। इसके अलावा इस धंधे में विश्वसनीयता भी बहुत महत्वपूर्ण होती है। कोई भी व्यक्ति यह नहीं चाहता कि उसका दस्तावेज सार्वजनिक हो जाये। इसलिये विश्वासपात्र व्यक्ति से ही काम करवाया जाता है।

खट्टर की घोषित योजना के अनुसार 25 तरह के परफ़ॉर्मा सरकारी वेबसाइट पर लोड कर दिये जायेंगे। जरूरतमंद लोग इन्हीं में से किसी एक को चुन कर अपनी आवश्यकतानुसार भर कर ऑनलाइन तहसीलदार को भेजेंगे। इसके लिये किसी को भी तहसील में जाकर किसी से मिलने की आवश्यकता नहीं होगी। वास्तव में यह योजना लोगों को केवल बेवकूफ़ बनाने के लिये है। इस योजना के अनुसार भी ऑनलाइन काम भी अर्जीनवीसों द्वारा ही किया जायेगा। हां, इस योजना में अब उन्हें अपना नाम व लाइसेंस नम्बर आदि लिखने की जरूरत नहीं होगी। ऐसा करने से वे हर तरह की कानूनी जिम्मेदारी से भी मुक्त हो जायेंगे। दूसरे, बिना लाइसेंस वाले भी अपने कैफे खोल कर बैठ जायेंगे व लोगों को अपने ढंग से बेवकूफ़ बना कर लूटेंगे।

ऑनलाइन का ड्रामा समझने के लिये ड्राइविंग लाइसेंस व वाहनों की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को देखा जा सकता है। ऑन लाइन होने के बावजूद इन कामों के लिये लोगों को दलालों की सहायता लेकर सम्बन्धित दफ़्तरों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। पहले तो केवल काग़जी फ़ाइल तैयार करके दफ्तर में जमा करानी होती थी, अब ऑनलाइन भी कराओ और काग़जी फ़ाइल भी बनवाओ। परिणाम स्वरूप जनता पर रिश्वत की दोहरी मार पड़ने लगी है।

केवल पाठकों के दम पर चलने वाले इस अखबार को सहयोग देकर इसकी आवाज को बुलंद रखें।

मज़दूर मोर्चा- खाता संख्या-451102010004150
IFSC Code : UBIN0545112
Union Bank of India, Sector-7, Faridabad

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें, कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ़ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें।

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड।
2. रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन
3. एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे।
4. जितेन्द्र, बाटा सेंटर - 9971064207
5. राम खिलावन-बल्लबगढ़ बस स्टैंड के सामने 9891164794
5. मोती पाहुजा - मिनार गेट पलवल, 9255029919
6. सुरेन्द्र बघेल - बस अड्डा होडल - 9991742421